खबर संक्षेप

मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति के प्रकरणों की प्रीसिटिंग बैठक संपन्न

मण्डला। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च 2026 को किया जाना है। इसी तारतम्य में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री कमल जोशी के निर्देशन में नेशनल लोक अदालत आयोजित की जायेगी। 14 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने के लिए गुरूवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष श्रीमान कमल जोशी द्वारा समस्त न्यायाधीश मोटरयान दुर्घटना दावा अधिकरण एवं बीमा कंपनियों के अधिकारी व बीमा कंपनियों के अधिवक्ता एवं आवेदक अधिवक्ताओं के साथ प्रीसिटिंग बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में समस्त मो.दु. क्षतिपूर्ति के न्यायालय के प्रकरणों को चिन्हित किये जाने के लिए चर्चा की गई एवं उन्हें निराकृत कराये जाने के लिए प्रयास किये जाने के निर्देश दिये गये। प्रीसिटिंग बैठक में विशेष न्यायाधीश आर.के. रावतकर, द्वितीय के अतिरिक्त प्रथम जिला न्यायाधीश रमेश रंजन चौबे, प्रथम जिला न्यायाधीश सुबोध विश्वकर्मा, तृतीय जिला न्यायाधीश तेजप्रताप सिंह, द्वितीय जिला न्यायाधीश श्री हेमराज सनोडिया, पंचम जिला न्यायाधीश ब्रजेश गोयल, सचिव तपन धारगा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडला, श्रीमती दीपिका तारन जिला विधिक सहायता अधिकारी तथा वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से नेशनल इंश्योरेन्स कंपनी के अधिकारी, ओरिएन्टल इंश्योरेन्स कंपनी के अधिकारी, मेग्मा इंश्योरेन्स कंपनी के अधिकारी सम्मिलित हुए तथा कंपनी के अधिवक्ता मुकेश शुक्ला, विजय यादव सहित अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

वित्तीय साक्षरता सप्ताहः बैंकिंग साक्षरता एवं जागरूकता

मण्डला। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के निर्देशानुसार वित्तीय साक्षरता सप्ताह 9 से 13 फरवरी 2026 के तहत भारतीय स्टेट बैंक शाखा अंजनिया में 11 फरवरी को कैम्प का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों को शासन की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया। बैंकिंग साक्षरता एवं जागरूकता के अंतर्गत जानकारी दी गई। साथ ही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के तहत दो हितग्राहियों को 2-2 लाख रुपये की सहायता दी गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि क्षेत्रिय व्यवसायिक कार्यालय मंडला से क्षेत्रीय प्रबंधक आनंद कुमार, शाखा प्रबन्धक धीरज कुमार कोष्टा, क्षेत्राधिकारी स्वप्निल सिंह, जिला खादी ग्राम उद्योग से शिवकुमार दिकाते, एस.एल. बरकड़े सहित संबंधित उपस्थित थे।

विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

गौ हत्या के विरोध में नैनपुर रहा बंद

* अज्ञात व्यक्ति द्वारा की गई थी गौ हत्या और फेंके गये थे अवशेष।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल प्रखंड नैनपुर के द्वारा गुरूवार को नैनपुर बंद का आव्हान किया गया था। जिसका व्यापक असर दिखाई दिया सुबह से ही पूरा बाजार बंद नजर आया। व्यापारियों ने स्वेच्छा से दुकानें बंद कर समर्थन दिया। बीते दिनों नैनपुर नगर के वार्ड क्र. 10 में किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा गौ हत्या कर अवशेष फेंके गये थे जिससे नगर में रोष व्याप्त हो गया था और इस मामले की गहन जांच कराते हुए दोषियों पर कठोर कार्यवाही को लेकर आवाज उठाई जा रही थी। विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने अनुविभागीय दण्डाधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा गया है कि 11 फरवरी को नैनपुर नगर के वार्ड क्रमांक 10 में गौहत्या की अत्यंत निंदनीय एवं दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई है। यह कृत्य न केवल कानून का खुला उल्लंघन है बल्कि क्षेत्र की धार्मिक भावनाओं को भी गहरी ठेस पहुंचाने वाला है। गौ माता भारतीय संस्कृति परंपरा एवं आस्था का महत्वपूर्ण आधार है। इस प्रकार की घटनाएं समाज में आक्रोश असंतोष एवं तनाव की स्थिति उत्पन्न करती हैं। नैनपुर नगर में इस घटना के विरोध में आज शांतिपूर्ण रूप से बंद रखा गया है जो जनभावनाओं की गंभीरता को दर्शाता है। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने मांग की है कि गौहत्या की घटना में संलिप्त सभी दोषियों की तत्काल पहचान कर शीघ्र गिरफ्तारी की जाए। संबंधित आरोपियों पर कठोर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर त्वरित न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। क्षेत्र में भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो इसके लिए सख्त निगरानी एवं विशेष अभियान चलाया जाए। गौवंश संरक्षण के लिए स्थायी एवं प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए। नगर में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की जाए। हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि हमारा आंदोलन पूर्णतः शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक दायरे में है। यदि समय रहते कठोर कार्यवाही नहीं की गई तो जनआक्रोश और बढ़ सकता है जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। बता दें कि नैनपुर तहसील क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 10 शांति नगर रियासी इलाके में गुरुवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई जब बीच चौराहे पर एक गौवंश के बछड़े का कटा हुआ सिर पड़ा मिला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह घटना लगभग दोपहर 1 बजे की है। चौराहे से गुजर रहे स्थानीय नागरिकों ने जब सडक़ के बीचों बीच गौवंश के बछड़े का सिर देखा तो क्षेत्र में हडक़ंप मच गया सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए और देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया घटना की जानकारी फैलते ही सकल हिंदू समाज और विभिन्न हिंदू संगठनों से जुड़े कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए उन्होंने इसे धार्मिक आस्था से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कृत्य सुनियोजित साजिश के तहत किया गया प्रतीत होता है क्योंकि सिर को जानबूझकर व्यस्त मार्ग के बीचों बीच रखा गया था लोगों का मानना है कि यदि यह किसी जंगली जानवर का काम होता तो अवशेष इस तरह व्यवस्थित रूप से चौराहे पर नहीं पाए जाते घटना के बाद शांति नगर सहित आसपास के इलाकों में दहशत और आक्रोश का माहौल बन गया। व्यापारियों ने कुछ समय के लिए अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिए। महिलाओं और बच्चों में भय का वातावरण देखा गया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस तरह की घटना से सामाजिक सौहार्द पर असर पड़ सकता है और प्रशासन को तुरंत और सख्त कदम उठाने चाहिए सकल हिंदू समाज के प्रतिनिधियों ने मौके पर एकत्र होकर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की। उनका कहना था कि गौवंश हिंदू समाज की आस्था का प्रतीक है और इस प्रकार की घटना को किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा। स्थिति को देखते हुए नैनपुर थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने भीड़ को समझाने का प्रयास किया और उन्हें आश्वस्त किया कि मामले की निष्पक्ष और गंभीर जांच की जाएगी पुलिस अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने अपील की काफी समझाइश और बातचीत के बाद सडक़ जाम समाप्त कराया गया और यातायात सामान्य हो सका सकल हिंदू समाज ने प्रशासन से क्षेत्र के सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज तत्काल खंगालने की मांग की है। प्रतिनिधियों का कहना है कि वार्ड क्रमांक 10 और आसपास के क्षेत्रों में कई निजी एवं सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं जिनकी जांच से आरोपियों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है फॉरेंसिक जांच के लिए अवशेषों को सुरक्षित कर परीक्षण हेतु भेजा गया है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि बछड़े की मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई और क्या यह हत्या का मामला है या अन्य कोई कारण घटना स्थल पर मौजूद सकल हिंदू समाज के सदस्यों ने बछड़े के सिर और धड़ को सम्मानपूर्वक भगवा गमछे से ढककर श्रद्धांजलि अर्पित की इसके बाद उन्होंने अवशेषों को प्रशासन के सुपुर्द कर दिया इस दौरान धार्मिक मंत्रोच्चार भी किया गया और शांति की प्रार्थना की गई प्रशासनिक अधिकारियों ने भी मौके पर उपस्थित होकर घटना की निंदा की और कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि जांच में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी नैनपुर पुलिस प्रशासन ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की गई है। टीम आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और संदिग्ध गतिविधियों की जांच कर रही है।

देवहार सीसी रोड निर्माण में गड़बड़ी की आशंका?

* जांच औपचारिकता या होगी सख्त कार्रवाई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

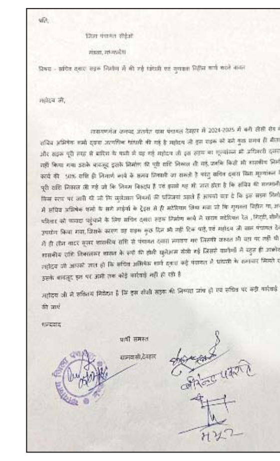

ग्राम पंचायत देवहार के पोषक ग्राम देवहार में निर्मित सी.सी. रोड निर्माण कार्य को लेकर अब मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जिला स्तरीय जांच दल द्वारा 11 फरवरी 2026 को स्थल निरीक्षण किए जाने के बाद पूरे क्षेत्र में एक ही सवाल गूंज रहा है — क्या इस बार दोषियों पर कार्रवाई होगी या मामला फिर ठंडे बस्ते में चला जाएगा?

ग्रामीणों एवं शिकायतकर्ताओं के अनुसार, उक्त सी.सी. रोड निर्माण कार्य बिना विधिवत तकनीकी मूल्यांकन एवं बिना वैधानिक निविदा (टेंडर) प्रक्रिया के कराए जाने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। आरोप यह भी लगाए जा रहे हैं कि तत्कालीन सचिव अभिषेक शर्मा द्वारा स्वयं ठेकेदारी शैली में मशीनों के माध्यम से कार्य कराया गया तथा मजदूरी मद की राशि भी आहरित कर ली गई।

स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी है कि तत्कालीन सरपंच इमरती बाई, सचिव अभिषेक शर्मा एवं संबंधित इंजीनियर सुनील शर्मा के बीच मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच प्रतिवेदन के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

जांच दल ने स्थल का भौतिक सत्यापन कर निर्माण सामग्री के नमूने परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजे हैं तथा ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों के कथन दर्ज किए हैं। अब सबकी निगाहें प्रयोगशाला रिपोर्ट और प्रशासनिक निर्णय पर टिकी हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि कार्य में अनियमितता सिद्ध होती है, तो केवल कागजी कार्रवाई नहीं बल्कि शासकीय धन की वसूली एवं दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

अब बड़ा प्रश्न यह है- क्या यह जांच निष्पक्ष और परिणाममुखी होगी? या फिर पूर्व के मामलों की भांति यह भी केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगी? जनता जवाब चाहती है, क्योंकि मामला सीधे शासकीय धन और विकास कार्यों की गुणवत्ता से जुड़ा है।

कम्प्यूटर ऑपरेटर प्राथमिक कृषि साख समिति मर्यादित सिंगारपुर की सेवा समाप्त

मण्डला। दुर्गेश यादव कम्प्यूटर ऑपरेटर प्राथमिक कृषि साख समिति मर्यादित सिंगारपुर के विरूद्ध डिजिटल मीडिया में प्रकाशित समाचार एवं वायरल वीडियो में अशोभनीय कार्य एवं व्यवहार प्रसारित हुआ था। इसके संबंध में सहायक आयुक्त सहकारिता द्वारा मोहगांव सहकारिता विस्तार अधिकारी को जांच के लिए अधिकृत किया गया था। जाँच प्रतिवेदन में दुर्गेश यादव के विरूद्ध आरोपों की पुष्टि होने पर कृत्य गंभीर दुराचरण की श्रेणी का पाया गया। जिसके उपरान्त सहकारी समिति सेवानियम 2013 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुये सहकारी समिति मर्यादित सिंगारपुर द्वारा संबंधित की सेवा समाप्त कर आदेश जारी किया गया है।

पीएचई मंत्री श्रीमती उईके ने मिलेट रोड शो को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मोटे अनाज (श्री अन्न) के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और इसके स्वास्थ्यगत लाभों से आमजन को अवगत कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन मण्डला तथा किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय मिलेट फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरवार को मिलेट रोड शो का आयोजन किया गया। प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने मिलेट रोड शो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्री अन्न न केवल पौष्टिकता से भरपूर है, बल्कि यह हमारी प्राचीन कृषि संस्कृति का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री के मंशानुरूप, मोटे अनाजों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के आयोजन मील का पत्थर साबित होंगे। इस दौरान कलेक्टर सोमेश मिश्रा, उपसंचालक कृषि अश्विनी झरिया, सहायक संचालक श्रीमती मधुअली सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नेशनल हाईवे 30 में लंगर ट्रक पलटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/नारायणगंज

नारायणगंज के मैली चौराहे और बालाई के बीच में दिल्ली से रायपुर जा रहा एंकर ट्रक क्रमांक एमपी 20 एनडी 9858 ट्रक चालक देवेंद्र सिंह यादव मुरैना निवासी द्वारा बताया गया कि सामने से आ रही कार को बचाने के चक्कर में एंकर ट्रक अनबैलेंस होकर गिर गया गाड़ी में मात्र ड्राइवर ही था जो की सकुशल किसी प्रकार की कोई चोट नहीं आई ट्रक पलटने के बाद राहगीर द्वारा 112 गाड़ी को पुलिस वालों को फोन किया जो मौके में आकर तत्काल पुलिस विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और दोनों तरफ लग रहे जाम पर नियंत्रण किया गया पुलिस अधिकारी प्रदीप पांडे के निर्देश अनुसार पुलिसकर्मी वहां पर पहुंच गए।

प्रतियोगिता | संभाग स्तरीय पिट्टू पुरुष प्रतियोगिता में मंडला बना चैंपियन।

जबलपुर को करारी शिकस्त देकर जीता खिताब

* ट्रॉफी स्व न्यूटन डेनियल उर्फ मामू की याद में उनकी पुत्री डॉक्टर अर्चना डेनियल के द्वारा प्रदान की गई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंडला द्वारा आयोजित संभाग स्तरीय पिट्टू पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें जिला मंडला की पुरुष टीम ने फाइनल में जिला जबलपुर को करारी शिकस्त देकर विजेता होने का गौरव हासिल किया प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष के तौर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अनिल गुप्ता की गरीमामई उपस्थिति में किया गया, इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक डॉक्टर टीपी मिश्रा, डॉक्टर बी टेमरे, डॉक्टर एस एस ज्योतिषी, डॉक्टर एस आर बघेल, डॉक्टर अनीता झरिया, डॉक्टर सीमा धुर्वे, डॉक्टर मुकेश आर्मो, डॉक्टर पीएल जारिया, डॉक्टर नसीम बानो, डॉक्टर के ल धुर्वे, डॉक्टर जी एस धुर्वे, डॉक्टर पुरुषोत्तम भांवरें, अरविंद ठाकुर तथा जिले के वरिष्ठ कीड़ा अधिकारी डॉ हरीश दुबे, डॉक्टर संजय, डॉक्टर विवेक जायसवाल, डॉक्टर प्रशांत यादव, डॉक्टर आशीष चतुर्वेदी, डॉक्टर अनूप परिहार, डॉक्टर निलेश चौरे, डॉक्टर देवेंद्र बघेल उपस्थित रहे, प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल मैच जिला मंडला विरुद्ध कटनी के बीच खेला गया जिसमें मंडला ने एकतर्फे मुकाबले में कटनी को 32 के मुकाबले एक पारी और 150 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया, वहीं दूसरा सेमीफाइनल मैच डिंडोरी विरुद्ध जबलपुर के मध्य खेला गया इस कशमकश मुकाबले में जबलपुर ने डिंडोरी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मंडला विरुद्ध जबलपुर के मध्य खेला गया जिसमें मंडला ने जबलपुर को 82 के मुकाबले 124 अंको से हराकर फाइनल जीतने का गौरव हासिल किया, फाइनल मैच के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अनिल गुप्ता रहे पूरे प्रतियोगिता को कवरेज कर रहे जावेद भाई तथा विशेष खेल प्रेमी समीर बाजपेई उपस्थित रहे, फाइनल मैच के उपरांत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अनिल गुप्ता ने सभी खिलाड़ियों को आशीर्वाद प्रदान किया तथा आने वाले प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन करने के लिए आशीर्वाद दिए। फाइनल मैच का ट्रॉफी स्व न्यूटन डेनियल उर्फ मामू की याद में उनकी पुत्री डॉक्टर अर्चना डेनियल के द्वारा प्रदान की गई। महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब दीपलता कुड़ापे तथा पुरुष वर्ग में बेस्ट खिलाड़ी का खिताब जितेंद्र सैयाम को दिया गया। महाविद्यालय के कीड़ा अधिकारी एवं अंतर्राष्ट्रीय कोच डॉक्टर गुलबहार खान ने दोनों टीमों को अच्छे खेल प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के समापन के अवसर आयोजन सचिव डॉ गुलबहार खान ने तथा वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर वी टैंमरे द्वारा प्रतियोगिता में आए सभी टीमों के खिलाड़ी, कोच तथा ऑफिशियल्स का आभार व्यक्त किया गया तत्पश्चात राष्ट्रगान के बाद प्रतियोगिता का विधिवत समापन करने की घोषणा की गई।

खेतों में मुर्रम का उत्खनन, बने बड़े-बड़े गड्ढे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंडला जनपद की ग्राम पंचायत तिलईपानी में खेतों से मुर्रम निकाली जा रही है इन दिनों सभी ओर निर्माण का कार्य प्रगति पर है और इन निर्माण कार्यों के लिए मिट्टी मोर्रम की मांग ज्यादा हो रही है और इसी मांग को पूरा करने के लिए स्थानीय निर्माण सामग्री सप्लायर जहां-तहां स्थानीय किसानों के खेतों को निशाना बना रहे हैं किसानों को कुछ पैसों का लालच दिया जाता है और कहा जाता है कि उनके खेत को अच्छा बना कर देंगे किसान खेत को अच्छा बनाए जाने के लालच में आकर अपने खेतों से मिटटी मुर्रम उत्खनन के लिए राजी हो जाते हैं और जब पर्याप्त मात्रा में मिट्टी मोर्रम निकाल ली जाती है और खेत में भारी भरकम गड्ढा हो जाता है तो यह निर्माण सामग्री सप्लायर वहां से चंपत हो जाते हैं बेचारा किसान गुहार ही लगता रह जाता है लेकिन ना तो खेत ही समतल किया जाता है और ना ही किसान को इसके नुकसान की भरपाई की जाती है इस तरह हुए बड़े-बड़े गड्ढे न केवल किसानों की खेती को बर्बाद कर रहे हैं बल्कि इन बड़े-बड़े गड्ढों से किसी मवेशी के गिरकर चोटिल हो जाने का खतरा भी बना रहता है इस स्थान पर क्योंकि मवेशी भी घूमती रहती हैं और उन्हें चराने वाले चरवाहे भी होते हैं इन सभी के लिए गिरकर चोटिल होने का अंदेशा बना रहता है अभी पिछली जनसुनवाई में कुछ किसानों ने इस बात की शिकायत जनसुनवाई में उपस्थित होकर की थी लेकिन उस पर ना तो निर्माण सामग्री सप्लायर पर ही की कोई कार्रवाई की गई और ना ही किसानों को किसी तरह की सहायता राशि दी गई बल्कि इस पूरे मामले को सड़क निर्माण कंपनी के साथ जोड़कर लाभ लेने का प्रयास भी स्थानीय लोगों द्वारा किया जा रहा है।

शिवरात्रि के अवसर पर शक्कर नदी में लगने वाले मेले का आज होगा शुभारंभ

नगर पालिका अध्यक्ष सहित प्रशासनिक अधिकारियों की देख रेख में मेला स्थल को दिया जा रहा भव्य स्वरूप..

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

नगर के समीपस्थ व शक्कर नदी के तट पर स्थित शिवधाम डमरूघाटी में महाशिवरात्रि के अवसर पर प्रतिवर्ष लगने वाले मेले में नगर सहित क्षेत्र के गांवों से हजारों की संख्या में जिस प्रकार से जन सैलाब उमड़ते हुये देखा जाता है उसके चलते हर वर्ष स्थिति इस प्रकार से निर्मित हो जाती थी कि प्रशासन द्वारा जहां व्यवस्था बनाने में अपना पसीना बहाने के लिये मजबूर होना पड़ जाता है। वही दूसरी ओर शिवधाम डमरूघाटी पर लगने वाले इस मेले में पहुंचने वालों की भीड़ का परिणाम इस प्रकार से बन जाता था कि नगर के शक्कर नदी पुल पर दिन भी जनता के दबाव के चलते जाम की स्थिति बनी रहती थी। इसी बात को ध्यान में रखते हुये बीते हुये कुछ वर्षो से प्रशासन द्वारा शिवरात्रि पर लगने वाले मेले की जगह में परिवर्तन करते हुये शक्कर नदी की रेत में लगवाने का निर्णय लिया गया था जिसके चलते यहां पर प्रथम वर्ष 2020 में मेले का आयोजन तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी राजेश शाह की पहल पर हुआ था जिसकी लोगों द्वारा काफी सराहना की गई थी। तभी से इस मेले का आयोजन शक्कर नदी में शुरू किये जाने के चलते हर वर्ष मेले में दूर दूर से दुकानदारों द्वारा अपनी दुकाने लाना शुरू किया गया है। वही दूसरी ओर इस मेले का शुभारंभ आज शुक्रवार को क्षेत्र के नेताओं सहित अधिकारियों की मौजूदगी में किया जावोगा। क्योंकि इस वर्ष शुरूआती तोर से जिस तरह बाहर के दुकानदारों का आना शुरू हो गया है उससे यह प्रतीत हो रहा है कि यह मेला विकराल रूप धारण करने से नही चूक पायेगा। इस प्रकार से शिवरात्रि मेले की शक्कर नदी में लगने की शुरूआत के चलते जहां प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा इस मेले को भव्य स्वरूप प्रदान करने के लिये दिन रात एक करते हुये वहां जरूरी व्यवस्थाएं बनाई जा रही है। वही दूसरी ओर नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा के मार्ग दर्शन तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैभव देशमुख के नेतृत्व में नगर पालिका प्रशासन के अधिकारी व कर्मचारी इस मेले की तैयारियों को लेकर जहां बीते हुये कुछ दिनों से संपूर्ण व्यवस्थाएं बनाने में लगा हुआ देखा जा रहा है। क्योंकि पहले देखा जाता था कि महाशिवरात्रि के मौके पर लगने इस मेले में जगह का आभाव रहने के चलते जहां बाहर से आने वाले अनेक दुकानदारों को पर्याप्त मात्रा में जगह नही मिल पाने के कारण निराश होकर बापिस लौटते हुये देखा जाता था। मगर शक्कर नदी की रेत में इस मेले का आयोजन की शुरूआत होने का परिणाम इस प्रकार से देखने मिल रहा है कि शक्कर नदी की रेत में पर्याप्त व सुविधा जनक दुकानदारों के लिये जगह उपलब्ध होने के कारण उनके चेहरों पर खुशी दिखाई दे रही है। वही दूसरी ओर भले ही अभी महाशिवरात्रि के लिये दो दिन शेष बचे है। मगर अनेक दुकानदारों द्वारा अभी से यहां पर अपनी दुकाने जमाना शुरू कर दिया गया है तथा मेले में लगने वाले अनेक प्रकार के बडे बडे झूला लगने का कार्य लगातार जारी है। वही दूसरी ओर मेले में आने वाले दुकानदारों के लिये मेला स्थल पर अपनी दुकानों की सामग्री लेकर पहुंचने के लिये रेत के अंदर से नगर पालिका प्रशासन द्वारा विशेष मार्गो का निर्माण कराया गया है। इस मेले की तैयारियों पर नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा सहित अनुविभागीय अधिकारी श्रीमति कलावति व्यारे, उप पुलिस अधीक्षक ललित सिंह डागुर, नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान द्वारा लगातार भ्रमण करते हुये व्यवस्थाएं बनाने में लगी हुई टीम के लिये जरूरी दिशा निर्देश देते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर नगर के समाजसेवियों द्वारा भी समय समय पर मेला स्थल पर पहुंचकर प्रशासनिक अधिकारियों को अपने सुझाव देते हुये इस मेले के आयोजन को सफल बनाने में अपना पूरा सहयोग प्रदान करते हुये देखे जा रहे है। इस प्रकार से जोर शोर से चल रही मेले की तैयारियों को लेकर जब नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि महाशिवरात्रि के मौके पर उमड़ने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुये शक्कर नदी की रेत में लगवाने का निर्णय लिया गया है जिसकी व्यवस्थाएं बनाने में पूरा नगर पालिका प्रशासन लगातार लगा हुआ है। हमारा प्रयास है कि इस मेले में पहुंचने वाले दुकानदारों से लेकर आम जनता को किसी भी प्रकार की कोई परेशान न हो वही दूसरी ओर नगर सहित क्षेत्र की जनता को मेला स्थल तक पहुंचने के लिये नगर की छिड़ाव घाट से विशेष मार्ग का निर्माण कराया गया है जिसके चलते नगर की जनता सीधे छिड़ाव घाट से कम दूरी तय करते हुये मेला तक पहुंच सके। वही जनता की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये मेला स्थल पर अस्थाई शौचालयों का निर्माण कराया जा रहा है तथा मेले की भीड़ में आसामजिक तत्वों की अपराधिक गतिविधियों पर नजर रखने के लिये जहां विशेष गुप्त केमरे लगवाये गये है। वही दूसरी ओर मेले को सुन्दरता प्रदान करने के लिये शक्कर नदी पुल की अनोखी सजावट की गई है, जिसके चलते महाशिवरात्रि के मौके पर लगने वाले इस मेले की शक्कर नदी की छटा आकर्षण का केन्द्र बनने से नही चूक पायेगी।

खबर संक्षेप

खनिज रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर एक ट्रेक्टर-ट्राली जप्त

हरिभूमि न्यूज/ चीचली। क्षेत्र में चल रहे रेत के अवैध खनन व परिवहन को लेकर बीते हुये दिनों कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में खनिज विभाग, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग का संयुक्त दल द्वारा क्षेत्र में निरीक्षण किया जा रहा है। बताया जाता है कि इस निरीक्षण के दौरान खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में तहसील गाडरवारा स्थित एनटीपीसी के पास खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए पाए जाने पर एक ट्रेक्टर- ट्राली वाहन क्रमांक एमपी 49 जेडसी 7905 को जप्त कर डोंगरगांव थाना में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया। प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा का कहना है कि इस प्रकार की संयुक्त कार्यवाही सतत जारी रहेगी।

शासकीय चिकित्सालय की बाउंड्री के पास शारबियों की जमघट से हो रही परेशानी?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। आये दिन स्थानीय पुलिस थाने में आयोजित होने वाली बैठकों में पुलिस अधिकारियों द्वारा नगर में शांति व्यवस्था बनाने के लिए बड़ी बड़ी बाते तो की जाती है? मगर यदि उन्हें सच्चाई में देखा जावे तो सिर्फ वह बाते उसी बैठक तक ही सीमित होती हुई नजर आती है? इस बात की सच्चाई वर्तमान में नगर में दिखाई दे रही है, लोगों का कहना है कि स्थानीय खेल ग्राउंड व स्थानीय शासकीय चिकित्सालय के पास बनी नई बाउन्ड़ी बाल के पास प्रतिदिन शाम होते ही शराबियों का जमावड़ा लग जाता है,जिसके कारण इन स्थानों से निकलने वाले लोगों को जहा परिशानियों का सामना करना पड़ता है। वही यदि इस मार्ग से कोई भूलबस महिलाओं का निकलना होता है तो इन शराबियों की छीटाकशी के चलते उसे अपमानित तक होना पड़ता है..? वही शासकीय चिकित्सालय की बाउन्ड़ी के पास लग रहे शराबियों के जामवड़ा से तो वहा निवास करने वाले लोगों को परेशानी उठाना ही पड़ रही है, तथा दूसरी ओर पास में बने बंजारी माता पर दर्शन करने जाने वाली माँ बहिनों को भी इनको मनचनों की छीटाकशी का शिकार होकर अपमान का कड़वा घूट पीना पडं रहा है..? जब भी बैठक का आयोजन होता है तो पुलिस अधिकारियों द्वारा शराबियों की मनमानी से निजात दिलाने के दाबे किये जाते है। मगर पुलिस बैठक के बाद उदासीन होकर मात्र तामशा देखते हुए नजर आती है..? वर्तमान में इन शराबियों की हुड दग्ग लीला से शासकीय चिकित्सालय के पास निवास करने वाले लोगो परेशान हो रहे है मगर पुलिस को सूचना करने के बाद भी कोई कार्यवाही नही होने के कारण शराबियों की हौसले अपने सातवे आसमान पर दिखाई दे रहे है। अतः नगरवासियों द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक से इस ओर ध्यान देने की अपेक्षा जताई जा रही है।

नगर की धरोहर माने जाने वाली इस संपदा को नजर अंदाज क्यों...

हरिभूमि न्यूज/चीचली। स्वतंत्रता संग्राम मे यहॉ के देशभक्त मंशाराम की शहादत, वर्तन उद्योग के अलावा चौगान के किले ने चीचली को समूचे देश मे पहचान दिलायी। गौड़ शासनकाल मे रानी दुर्गावती ने चीचली क्षेत्र मे अनेक मंदिरो, तालाबों का निर्माण कराया था, जो उपेक्षित होने के बावजूद अपना अस्तित्व बचाए हुए है। गौड़ साम्राज्य के स्मृति स्थलो की कड़ी मे राजमहल चीचली के सामने रानी दुर्गावती के परिवारजनों नें मजबूत आकर्षक बावड़ी का निर्माण कराया था जिसमे बहुत वर्षो तक पानी संरक्षित रहने के प्रमाण मिलते है, लेकिन विडम्बना की बात है कि प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों की उदासीनता से यह बावड़ी बेनूर हो गयी है, वर्षो की बरसात, ऑधियॉ सहने के बाद इसकी दीवारे क्षतिग्रस्त होती चली जा रही है और बाबड़ी के आस पास फैली गंदगी के बीच यह बावड़ी अपने शानदार अतीत पर ऑसू बहा रही है। इस बाबड़ी की विशेषता का खास पहलू यह है कि उपेक्षित रहने के बाद भी अभी तक इसका अस्तित्व मिटा नही है और यदि शासन प्रशासन स्तर पर बावड़ी के सुधार की दिशा मे प्रयास किए जाऍ तो इसका खोया गौरव फिर लौट सकता है।

लायब्रेरी विहीन स्कूलों में भी पुस्तकालय के नाम पर फीस वसूली का मतलब...?

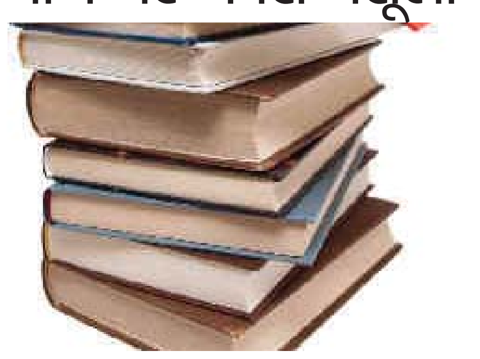

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस समय शहर में देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से बीते हुए माह नया शिक्षण सत्र शुरू हुआ ही है कि अनेक निजी स्कूलों द्वारा अभिभावको को लुभाने के लिए अपना जाल फैलना शुरू कर दिया गया है? वही दूसरी ओर नए शैक्षणिक सत्र के शुरू होने के दो माह के बाद छात्र छात्राऍ जहॉ अपनी शालायें खुलने की उत्सुकता से खुश नजर आ रहे है, वही शिक्षक भी अपने स्तर पर अध्यापन के लिए मानसिक तौर पर तैयार हो चुके है, मगर इस स्थिति मे अभिभावक बच्चों के लिए कापी, किताबों अन्य सामग्री की व्यवस्था के साथ ही महॅगी फीस के प्रबंध मे जुटे हुये देखे जा रहे है अभिभावक चहते है कि शुरू हुये इस नए सत्र में शालाओं का माहौल इतना बेहतर हो जाए कि छात्र छात्राओं को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े, वही कतिपय अभिभावकों ने बताया कि वर्तमान मे शहर के निजी व शासकीय प्राथमिक शाला भवनों की हालत ठीक नही है, वही कुछ प्राथमिक शालाओं मे छोटे बच्चों को मुख्य सुविधाऍ तक उपलब्ध नही है, दूसरी ओर जागरूक अभिभावकों की शिकायत है कि यह विडम्बना की बात है कि अधिकतर क्षेत्र के हायर सेकेंड्री स्कूलों मे वाउंड्रीबाल, अतिरिक्त कक्षों के निर्माण के बावजूद लायब्रेरी की व्यवस्था करने मे कोताही बरती गयी है तथा अनेक हाई स्कूल ऐसे है जिनमे पहले पुस्तकालय थें। किन्तु अब उनके संचालन मे रूचि न होने से किताबें आलमरियों मे बंद कर दी गयी है, जिससें छात्र छात्राऍ पुस्तकों से लाभान्वित नही हो पा रहे है,अभिभावकों की माने तो बाजार से महॅगी पुस्तके खरीदकर बच्चों को वे किसी तरह उनके द्वारा शिक्षा दिलायी जा रही है, इस हालत मे संदर्भ ग्रंथ या सहायक पुस्तके खरीदना उनके बस मे नही है,यही कारण है कि छात्र छात्राओं के ज्ञान का विस्तार नही हो पा रहा है, अभिभावकों ने मॉग की है कि जिस प्रकार से नगर की निजी शिक्षण संस्थाओं में लायब्रेरी के नाम पर फीस तो बसूली जा रही है, मगर लायब्रेरी नही है जिसके चलते शासन द्वारा इस प्रकार की संस्थाओं की खोज करते हुए कार्यवाही करे।

बैक में पार्किग न होने से आम लोगों की जिन्दगी को खतरे डालने के साथ यातायात में बन रही बाधक

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया।

आये दिन बैको द्वारा अपने उपभोक्ताओं के लिए जिस प्रकार से योजनाएं चलाई जाती है उनका लाभ किस स्थिति में उनको मिल पाता है यह बात किसी से छिपी नही है? यदि बैक की व्यवस्थाओं पर गौर किया जावे तो किसी भी उपभोक्ता का कार्य बगैर दलाल के माध्यम से हो पाना संभव होता हुआ नही देखा जाता है? जिसके चलते आये दिन क्षेत्र के लोगों को बैक के चक्कर लगाते हुए आसानी से देखा जा सकता है? इस संबंध में बताया जाता है कि शासन द्वारा बैकों के माध्यम से किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी जब तक किसानों तक पहुंचती है तब तक या तो योजनाएं बंद हो जाती है या फिर अपने लक्ष्य को पूरा कर लेती है। इतना ही नही यदि क्षेत्र के लोगों को बैक संबंधी में योजना का लाभ लेने का मौका मिल भी जाता है तो बैकों में बैठे अधिकारियों द्वारा उनसे सीधे मुंह बाते नही करते है जिसके चलते मजबूरी बस क्षेत्र के लोगों को बैकों द्वारा नियुक्त किये गये तथा कथित दलालों के पास पहुंचने मजबूर हो जाता है जिसके चलते बैकों द्वारा इन दलालों से फिक्स किये गये अपने प्रतिशत के बाद ही किसान इस प्रकार से सरकार द्वारा चलाई जा रही जन हितैषी योजनाओं का लाभ लेते हुए देखे जा रहे ह? इतना ही नही अक्सर देखा जाता है कि बैकों द्वारा अपने ग्राहको को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान नही किये जाने के कारण या तो ग्राहक रोड पर खड़े होकर बैकों में अपनी कार्य पूर्ण करने का इंतजार करते रहते है? जिसके कारण उनकी जान को पूर्णरूप से खतरा जान पड़ता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय कौड़यि इलाहाबाद बैक में देखने मिल रही है? बताया जाता है कि यह बैक कौड़यि में उस जगह पर स्थित है जहां पर राज्यीय राज मार्ग निकला होने के कारण जब बैक के सामने अपने उपभोक्ताओं की भीड़ लग जाती है तो पूर्णरूप से यातायात प्रभावित होने लगता है, आये दिन देखा जाता है कि बैक द्वारा अपने ग्राहकों के वाहनों का खड़ा करने के लिए कोई उचित व्यवस्था नही किये जाने के कारण बैक पहुंचने वाले उपभोक्ताओं द्वारा अपने वाहन मुख्य रोड के किनारे खड़े कर देते है जिसके चलते यातायात व्यवस्था बांधित तो होती ही है साथ ही साथ बैक उपभोक्ताओं की जान को भी खतरा बन जाता है? क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि समय रहते हुए बैक द्वारा अपने उपभोक्ताओं के वाहनों को खड़ा करने के लिए कोई उचित व्यवस्था नही की गई तो निश्चित तौर से किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने से इंकार नही किया जा सकता है।

चंद मिनिट का इंतजार करने के जगह अपनी जान जोखिम में डालते हुये पार की जा रही रेल्वे लाईन, किशोरों में पड़ रहा इसका विपरीत असर

हरिभूमि न्यूज/सिहोरा/बोहानी।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सरकार द्वारा रेल्वे लाईनों को पार करने के लिये जहां तहां रेल्वे गेंट लगाते हुये उन्हें खोलने व बंद करने के लिये अपनी कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है, जिससे किसी भी ट्रेन के आने के पहले वह रेल्वे गेंटों को बंद करते हुये लोगों को इस बात के लिये सचेत कर सके कि वह रेल पटरी को पार न करे। मगर इसके बाद भी जिस प्रकार से पढ़े लिखे हुये लोगों को रेल्वे गेंट बंद रहने के बाद भी वह अपने वाहनों सहित रेल्वे गेटों के नीचे से वाहन निकालते हुये देखे जाते है निश्चित तौर इस तरह की हरकत खुद की जिन्दगी को खतरे में डालने के साथ युवा पीढ़ी को भी इस प्रकार से नियम विरूद्व कार्य करने के लिये प्रेरित करने से नही चूक रहे है? चंद मिनिट रूकने की जगह उनके द्वारा की जाने वाली यह हरकत निश्चित तौर से रेल प्रशासन के नियमों के विपरित होने के साथ साथ कुछ की जिन्दगी को खतरे में डालते हुये देखी जा रही है। इस बात की सच्चाई आये दिन गाडरवारा करेली के राष्ट्रीय स्तर के मार्ग पर पड़ने वाले मनकवारा रेल्वे गेट पर आये दिन देखने मिली है। बताया जाता है कि जब ट्रेन आने के कुछ मिनिट पूर्व रेल विभाग के कर्मचारियों द्वारा यहां की रेल पटरियों को पार करने से रोकने के लिये गेट को बंद कर दिया जाता है, उस दौरान अनेक जागरूक माने जाने वाले पढ़े लिखे लोगों द्वारा जिस तरह अपनी मोटर साईकिलों को गेट के नीचे से निकलते हुये देखा जाता है उससे उनकी जिन्दगी तो खतरे में पड़ ही रही है साथ ही साथ उनके द्वारा शासन के नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुये की जाने वाली इस हरकत का निश्चित तौर से युवा पीढ़ी पर भी बुरा असर पड़ने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि जब युवा वर्ग समझदार माने जाने वाले अपने अभिभावकों व वरिष्ठजनों की इस हरकत तो देखते हुये उन्हें बंद रेल्वे गेट के बाद भी अपने वाहनों सहित पटरी पार करते हुये देखते है तो उनके दिलों में इस प्रकार से नियमों की धज्जियाँ उड़ाने की प्रेरणा घर कर जाती है और वह भी इसी प्रकार की कार्य प्रणाली को अपनाने से नही चूकते है जो एक दिन बड़ी घटना के रूप में सामने आती है? इस प्रकार से बंद रेल्वे गेट को अपने वाहनों सहित पार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही होना चाहिये तभी लोगों द्वारा रेल विभाग के नियमों की धज्जियाँ उड़ाने वालों की इन हरकतों पर अंकुश लग पायेगा?

सीतारेवा नदी पुल के गड्डो से निकल रही लोहे की राड दे रही दुर्घटना को आमंत्रण

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

अक्सर देखा जाता है कि प्रशासन में बैठे हुये अधिकारियों द्वारा जिस तरह सच्चाई को नजर अंदाज किया जाता है वह निश्चित तौर से एक बड़ी घटना का कारण बनने से नही चूक पता है? वही जब कोई बड़ी घटना घटित हो जाती है तो बाद में जिम्मेदार नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा उस घटना पर चिंता व्यक्त करते हुये अपनी कुंभकणी्र निंद्रा को भंग करते हुये उसके सुधार को लेकर प्रयास करना शुरू करते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के समीप सीतारेवा नदी पर बना हुआ पुल जो क्षेत्र के एनटीपीसी पावर प्लांट से लेकर अन्य गांवों को चीचली से जोड़ता है और इस पुल के ऊपर से प्रतिदिन दर्जनों गांवों के हजारों लोगों का चीचली आना जाना होता है। बताया जाता है कि इस पुल के ऊपर निकले हुये गड्डो से इस समय लोहे की राडे निकलते हुये एक बड़ी घटना की ओर संकेत देते हुये देखे जाने के बाद भी उनके सुधार को लेकर न तो प्रशासन द्वारा कोई कदम उठाना उचित समझा जा रहा है और न ही क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों द्वारा इस ओर ध्यान दिया जा रहा है इस तरह इस पुल की अनदेखी किसी दिन बड़ी घटना का कारण बनने से चूकने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। जबकि देखा जावे तो इस पुल से जहां प्रतिदिन अधिकारियों से लेकर जिम्मेदारों को निकलते हुये देखा जाता है जो अपने वाहनों से इन गड्डो के बीच से सावधानी पूर्वक निकलकर चले जाते है।

कैरोसिन न मिलने से गरीब परेशान, लकड़ी खरीदना हो रहा मुश्किल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

वर्तमान हाईटेक दौर में हालॉकि शहर के घरों में खाना बनाने के लिए रसोई गैस का इस्तेमाल किया जा रहा है पर शहर की आबादी के बड़े हिस्से में गरीब बर्ग के लोग आज भी कैरोसिन ऱ्इंधन पर ही निर्भर है जो खाना बनाने के लिए मिट्ठी के तेल का ही उपयोग कर रहे है। ज्ञातव्य है कि शहर में मिट्टी के तेल की सर्वाधिक खपत होती है, जिसके चलते नगर के गरीबों का कहना है कि इन दिनों अनेक गरीबों को सरकार के गैस कनेक्शन तो प्रदान किये गये है। मगर उनके भरोसे पूरे घर का खाना बन सके यह संभव नही है। इस स्थिति में जिन लोगों को शासन द्वारा गैस कनेक्शन प्रदान किये गये है उन्हें मिट्टी तेल देना बंद कर लिया गया है और जलाऊ लकड़ी के चल रहे भाव आसमान को छूते हुए दिखाई दे रहे है जो गरीबों द्वारा खरीद पाना मुश्किल जान पड रहा है तथा नगर में कैरोसिन की भी किल्लत है। क्योंकि अनेक गरीबों को शासकीय दुकानों से मिट्टी का तेल नही मिल पा रहा है, इस प्रकार से नागरिक खाद्य आपूर्ति विभाग की कैरोसिन के वितरण में कोताही बरतने का नतीजा है कि गरीबों को जरूरत के हिसाब से मिट्टी का तेल उपलब्ध नहीं हो रहा है? उन्होंने बताया कि सहकारी दुकानों से गरीबो को जहां कैरोसीन नही दिया जा रहा है वह कुछ गरीबों को केवल 4 लीटर कैरोसिन हर माह वितरित किया जाने लगा है और शहर में अब मिट्टी के तेल की कालाबाजारी भी होने लगी है। शहर के अनेक गरीबो का आरोप है कि वास्ताविक हितग्राही तो मिट्टी के तेल से वंचित है मगर विडम्बना की होटलो, मिठाई की दुकानो के संचालक ब्लेक में कैरोसिन खरीद गरीबो का ऱ्इंधन माने जाने वाला मिट्टी का तेल अपनी भट्टियो में फॅूक रहे है। शहर के मजदूरो, गरीब परिवारो की गृहणियो ने प्रशासन से मॉग की है कि शहर में मिट्टी के तेल की हो रही कालाबाजारी पर अंकुश लगाने की पहल करें ताकि गरीब अपने घरों में आसानी से दो वक्त चूल्हा जला सके।

खबर संक्षेप

18 फरवरी को जिला स्तर पर जिला गणना समन्वय समिति की बैठक

उमरिया। जनगणना 2027 के कार्य एवं गतिविधियों के सुचारू एवं सफल संचालन एवं पर्यवेक्षण हेतु जिला स्तर पर जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक का आयोजन 18 फरवरी को समय 4 बजे नियत किया गया है। जनगणना 2027 कार्य हेतु आशीष कुमार श्रीवास्तव एवं अजय सिंह जनगणना निदेशालय भोपाल को प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा है कि जनगणना 2027 की कार्य संपादन हेतु बैठक नियत तिथि एवं समय पर कलेक्ट्रेट सभागार में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करे।

16 फरवरी को जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक

उमरिया। खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण की रोकथाम, नियंत्रण हेतु जिला स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है । जिले में खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के रोकथाम , नियंत्रण हेतु 16 फरवरी को समय सीमा की बैठक पश्चात दोपहर 12 बजे से कलेक्टर सभागार में आहूत की गई है । बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है ।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल का भ्रमण कार्यक्रम

बिजुरी। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल 13 फरवरी को प्रातः 10:40 बजे बिजुरी से ग्राम बैहाटोला के लिए प्रस्थान करेंगे तथा प्रातः 11:00 बजे ग्राम पंचायत बैहाटोला पहुंचेंगे एवं मंगल भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। दोपहर 12:40 बजे ग्राम बैहाटोला से कोतमा के लिए प्रस्थान करेंगे। दोपहर 1:00 बजे ठाकुर बाबा धाम, मंगल भवन, कोतमा पहुंचेंगे एवं आदित्य सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण एवं सलाह, नेत्र परीक्षण, दवा वितरण तथा चश्मा वितरण कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। दोपहर 2 बजे वार्ड क्र. 03, पुराना हॉस्पिटल भवन, कोतमा पहुंचेंगे एवं शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के लोकार्पण कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। दोपहर 3 बजे कोतमा से बिजुरी के लिए प्रस्थान करेंगे। दोपहर 3:30 बजे निज निवास बिजुरी पहुंचेंगे तथा अन्य स्थानीय कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे एवं रात्रि विश्राम करेंगे शेष कार्यक्रम पृथक से जारी किया जाएगा।

मोटर पंप चोरी के आरोपी को बिजुरी पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

बिजुरी। 09 फरवरी को फरियादी राजेन्द्र कुमार साहू पिता संतोष साहू उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम तरसिली का उस्थित थाना आकर जुवानी रिपोर्ट दर्ज कराया कि 09 फरवरी के दोपहर करीब 12.00 बजे कोठी से उमरदा मुख्य सड़क पर पुल के किनारे कोठी मे नहर मे मेरा सिंचाई का किसान क्राउन कंपनी का लाल रंग का वाटर पेट्रोल पंप कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी करके ले गया है फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध धारा 303(2) बीएनएस का कायम कर अनुसंधान मे लिया गया। बिजुरी पुलिस टीम द्वारा ग्राम तरसिली से संदिग्ध व्यक्ति रमेश साहू उर्फ कल्लू पिता रामधारी साहू उम्र 31 वर्ष निवासी तरसिली को पकडा गया जिसने हिकमत अमली से पूछताछ पर 09 फरवरी को दोपहर 12.00 बजे कोठी उमरदा मुख्य सडक पर नहर के पास बने पुल नाला के पास से क्राउन कंपनी का लाल रंग का वाटर पेट्रोल पंप चोरी करना बताया और चोरी का मोटर पम्प बरामद कराया जिसे पुलिस ने ज़ब्त कर आरोपी रमेश साहू को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक विकास सिंह, सउनि प्रदीप अग्निहोत्री, प्र.आर. ईश्वर यादव, आर. लक्ष्मण डांगी, आर. विश्वजीत मिश्रा, आर. राकेश चौहान की विशेष उल्लेखनीय भूमिका रही ।

जिला अस्पताल में लापरवाही की हद! मरीजों के लिए लगाया गया नंबर ही निकला अमान्य

डिंडौरी न्यूज। जिला चिकित्सालय एक बार फिर अपनी बदहाली और लापरवाही को लेकर सुर्खियों में है। यहां की अव्यवस्था अब कोई नई बात नहीं रह गई है, बल्कि यह रोज़मर्रा की सच्चाई बन चुकी है। कभी डॉक्टरों की समय पर अनुपस्थिति, कभी साफ-सफाई की बदहाल स्थिति, तो कभी मरीजों से अमानवीय व्यवहार—लगातार सामने आ रहे मामलों ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ताज़ा मामला और भी ज्यादा चौंकाने वाला और संवेदनहीनता की पराकाष्ठा को दर्शाने वाला है। जिला चिकित्सालय के बाह्य रोगी कक्ष (ओपीडी) की दीवार पर मरीजों की "सुविधा" के नाम पर एक सूचना चस्पा की गई है। इसमें लिखा गया है कि यदि संबंधित चिकित्सक समय पर उपलब्ध न हों, तो मरीज दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

दीवार पर अंकित सूचना में लिखा है— मरीजों से निवेदन है कि संबंधित चिकित्सक के समय पर उपलब्ध न होने पर 9424940308 एवं संबंधित चिकित्सक के मोबाइल नंबर पर संपर्क करें। समस्त क्लास-1 अधिकारी कॉल पर रहेंगे।

लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। जब इस नंबर पर संपर्क करने की कोशिश की गई, तो वह अमान्य (Invalid Number) निकला। यानी मरीजों को भरोसा देने के लिए दीवार पर जो सूचना लिखी गई है, वह महज़ एक औपचारिकता और दिखावा बनकर रह गई है।

कल्पना कीजिए, जब एक बीमार और परेशान मरीज उम्मीद लेकर अस्पताल पहुंचता है और मदद के लिए उस नंबर पर फोन करता है, लेकिन जवाब में "नंबर अमान्य है" सुनने को मिलता है, तो उस पर क्या गुजरती होगी। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि मरीजों की मजबूरी और पीड़ा के साथ खुला मज़ाक है।

मरीजों की सुविधा के नाम पर जिन मोबाइल नंबरों को दीवारों पर प्रदर्शित किया जा रहा है, अगर वही नंबर काम के नहीं हैं, तो यह पूरे स्वास्थ्य तंत्र की गंभीर खामियों को उजागर करता है। सवाल उठता है कि क्या जिला चिकित्सालय सिर्फ कागज़ों और दीवारों तक ही सीमित रह गया है? स्थिति यहीं तक सीमित नहीं रही। गुरुवार को शिशु रोग ओपीडी में भी अव्यवस्था का नज़ारा देखने को मिला। छोटे-छोटे बच्चों को गोद में लिए माता-पिता घंटों तक डॉक्टर का इंतजार करते रहे। लंबे समय बाद जब डॉक्टर ओपीडी में पहुंचे, तब तक कई अभिभावक थक-हार चुके थे। मजबूरी में बच्चों के इलाज के लिए माता-पिता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जिले में स्वास्थ्य विभाग की यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। अफसोस की बात यह है कि ऐसी घटनाएं अब आम होती जा रही हैं, और जिम्मेदार अधिकारी मानो सब कुछ देखकर भी अनदेखा कर रहे हैं। सवाल यह है कि आखिर कब तक मरीज इस लापरवाही का दर्द सहते रहेंगे, और कब जिम्मेदारों की नींद खुलेगी?

जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर जिले में दो दिवसीय प्रशिक्षण 26-27 फरवरी को

डिंडौरी न्यूज।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य की तैयारियों के अंतर्गत जिले में दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण 26 फरवरी एवं 27 फरवरी 2026 को प्रातः 10:30 बजे से सायं 5:00 बजे तक कलेक्ट्रेट कार्यालय के ऑडिटोरियम में संपन्न होगा।

प्रशिक्षण में जिले के अपर कलेक्टर, जिला जनगणना अधिकारी, जिला योजना अधिकारी, अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं जनगणना लिपिक भाग लेंगे। इसके साथ ही तहसीलदार एवं चार्ज जनगणना अधिकारी, नगर निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी तथा संबंधित कार्यालयों के जनगणना लिपिकों की उपस्थिति भी सुनिश्चित की गई है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना कार्य से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाओं, डिजिटल मॉड्यूल एवं कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी जाएगी, ताकि आगामी जनगणना कार्य निर्धारित समय-सीमा में सुचारू रूप से संपन्न कराया जा सके। प्रशिक्षण का संचालन विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा और सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित तिथियों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना कार्य में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करना है, जिससे जिले में जनगणना की तैयारियां प्रभावी ढंग से पूर्ण हो सकें।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि पर समर्पण कार्यक्रम सम्पन्न

डिंडौरी न्यूज। जनपद पंचायत मुख्यालय अमरपुर में भाजपा एवं जनसंघ के पित्र पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि के अवसर पर भाजपा मंडल अमरपुर द्वारा बैठक का आयोजन किया। जिसमें सर्व प्रथम पंडित दीन दयाल उपाध्याय की तेलीय चित्र पर सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर दीनदयाल जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के तत्पश्चात बैठक की शुरुआत की गई। जहाँ पर मण्डल अध्यक्ष आकाश नामदेव ने दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि दीन दयाल उपाध्याय जी के द्वारा जो अंत्योदय सिद्धांत प्रतिपादित किया। जिसके कारण आज गांव, गरीब, किसान, महिलाओं और युवाओं तक शासन की योजनाएं पहुंची हैं। जिससे गांवों के विकास का राह आसान हो सकी अगर दीनदयाल जी न होते तो गांवों का, गरीबों का, महिलाओं का और युवाओं का विकास संभव न होता। दीनदयाल जी के कारण ही आज भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाएं आज पूरे भारत में चल रही हैं। जिसका लाभ गांव, गरीब का कल्याण सम्भव हुआ। आयोजित बैठक का सफल संचालन भाजपा मंडल अमरपुर के वरिष्ठ नेता पूर्व मण्डल अध्यक्ष हारून खान ने किया। बैठक में भाजपा जिला मंत्री मालती तिवारी, जनपद सदस्य रामकिशोर ठाकुर, अमरपुर सरपंच रामनाथ उद्दे, महामंत्री राम कुमार वनबासी, मनीष ठाकुर, रमेश यादव, पार्वती बर्मन, रामसिंह नंदा, मूरत ठाकुर, राज कुमार धनगर, नोखे लाल बछलहा आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीमारी ने छीना काम, प्रशासन ने लौटाया सम्मान: 9 साल बाद शिक्षक संतराम पट्टा की स्कूल में वापसी

डिंडौरी न्यूज। कहते हैं अगर प्रशासन में संवेदनशीलता हो, तो वर्षों से बुझती उम्मीदें भी फिर से रोशन हो जाती हैं। ऐसा ही एक भावुक कर देने वाला मामला डिंडौरी कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में सामने आया, जहाँ गंभीर बीमारी से वर्षों तक संघर्ष करते रहे सहायक शिक्षक संतराम पट्टा को आखिरकार न्याय मिला। विगत कई वर्षों से बीमारी के कारण अपने कर्तव्यों से अनुपस्थित रहे सहायक शिक्षक संतराम पटटा ने स्वस्थ होने के बाद कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में उपस्थित होकर कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के समक्ष अपनी पीड़ा रखी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 से वे गंभीर बीमारी से ग्रसित थे, जिस कारण वे विद्यालय में उपस्थित नहीं हो सके। इस दौरान न केवल उनका वेतन रुका रहा, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति भी बेहद दयनीय हो गई।

मामले को सुनते ही कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने इसे सिर्फ एक फाइल नहीं, बल्कि एक इंसान की जिंदगी मानते हुए गंभीरता और मानवीय दृष्टिकोण से लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच कर नियमानुसार सहानुभूतिपूर्वक कार्रवाई करने और शिक्षक को पुनः कार्यग्रहण कराने के निर्देश दिए। जांच पूर्ण होने के उपरांत आज कलेक्टर के निर्देश पर संतराम पटटा को विकासखंड समनापुर अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला मानिकपुर में विधिवत कार्यग्रहण कराया गया। 9 वर्षों से लंबित समस्या का समाधान होते ही शिक्षक और उनके परिवार के चेहरे पर राहत और खुशी साफ झलक उठी।

इस मानवीय निर्णय से विशेष रूप से बैगा समुदाय में भी खुशी की लहर दौड़ गई। समुदाय के लोगों ने कलेक्टर की इस संवेदनशील पहल के लिए आभार व्यक्त किया और इसे न्याय व संवेदना की मिसाल बताया।

कार्यग्रहण पत्र प्रदान करते समय कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने पटटा को भविष्य में अपने कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करने, विद्यार्थियों को नियमित शिक्षण देने और शैक्षणिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर की इस सराहनीय और मानवीय पहल से न केवल शिक्षक समुदाय में हर्ष व्याप्त है, बल्कि यह संदेश भी गया है कि प्रशासन जब संवेदनशील होता है, तो टूटते जीवन फिर से संवर सकते हैं।

करौंदी में युवा शक्ति का संगमः एनएसएस का सात दिवसीय विशेष शिविर हुआ भव्य शुभारंभ

मेरा युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता थीम पर जनजागरूकता, नशा मुक्ति और स्वच्छता अभियान की शुरुआत

डिंडौरी न्यूज

शहपुरा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत करौंदी इन दिनों युवा ऊर्जा और सामाजिक जागरूकता का केंद्र बना हुआ है। भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत तथा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर से संबद्ध राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा सात दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ 10 फरवरी से किया गया है, जो 16 फरवरी तक आयोजित होगा।

यह शिविर राष्ट्रीय सेवा योजना के संभागीय समन्वयक डॉ. शोभाराम मेहरा, जिला संगठक डॉ. पी.सी. उइके एवं शासकीय आदर्श महाविद्यालय शहपुरा की प्राचार्य डॉ. स्वीटी यादव के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का सफल संचालन एनएसएस कार्यक्रम प्रभारी डॉ. एल.एन. साहू के नेतृत्व में किया जा रहा है।

विधिवत शुभारंभ के साथ सेवा संकल्प शिविर का शुभारंभ ग्राम पंचायत करौंदी की सरपंच दुर्गा बाई एवं प्राचार्य डॉ. स्वीटी यादव द्वारा मां सरस्वती, स्वामी विवेकानंद एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पूजन तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उद्घाटन अवसर पर वक्ताओं ने युवाओं को समाज सेवा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

गांव-गांव पहुंच रही योजनाओं की जानकारी सात दिवसीय शिविर के अंतर्गत "मेरा युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवा" थीम पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्वयंसेवक ग्रामीणों को मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न हितग्राही योजनाओं की जानकारी घर-घर जाकर दे रहे हैं। डिजिटल साक्षरता के महत्व, ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग और सरकारी योजनाओं से जुड़ने की प्रक्रिया पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

नशा मुक्ति और स्वच्छता पर विशेष फोकस शिविर के दौरान नशा मुक्ति अभियान, स्वच्छता जनजागरूकता रैली, ग्राम स्वच्छता अभियान तथा पौधारोपण जैसे रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। युवाओं ने स्वच्छ और नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। गांव की गलियों में स्वच्छता संदेश के साथ रैली निकालकर ग्रामीणों को स्वच्छ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। शिक्षकों और स्टाफ की सक्रिय भागीदारी कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्रीराम ठाकुर, डॉ. नेहा चौहान, डॉ. वीना शिवहरे, भागवत सिंह धुर्वे, पी.एस. वरकड़े, डॉ. परमेश साकेत, टी.पी. साहू, डॉ. अनिल झारिया, डॉ. राजू रैदास, डॉ. राजेश तिवारी, मधुर मरावी, कृति जैन, आकांक्षा कुशराम एवं अभिषेक पटेल सहित समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ समय-सारणी के अनुसार अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

समापन समारोह 16 फरवरी को शिविर का समापन 16 फरवरी को किया जाएगा। समापन अवसर पर करौंदी की जनपद सदस्य कीर्ति भीमशंकर साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना के इस विशेष शिविर ने करौंदी में युवा शक्ति को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बना दिया है। सेवा, समर्पण और जागरूकता के संदेश के साथ यह शिविर गांव के विकास और जनचेतना की नई इबारत लिख रहा है।

ग्राम पंचायत घेवरी के नवाचार से किसानों में प्रसन्नता

(पंचायत की पहल और ग्रामीणों को लाभ)

डिंडौरी न्यूज।

शासन एवं प्रशासन द्वारा सभी विभागों के साथ ग्राम पंचायतों में भी प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा हैं। जहां कुछ पंचायतें शासन के नियम निर्देशों का पालन करते हुए क्षेत्र के ग्रामीणों को सुविधाएं मुहैया करा रही हैं। इस आयोजन का सफल क्रियान्वयन जनपद पंचायत अमरपुर के ग्राम पंचायत घेवरी के जागरूक युवा सरपंच राय सिंह मरकाम द्वारा विगत एक माह से अपनी ग्राम पंचायत में नई व्यवस्था देते हुए ग्राम पंचायत क्षेत्र के किसानों के जमीन संबंधी समस्याओं को क्षेत्रीय पटवारी जीत सिंह तेकाम के सहयोग से समस्या का निराकरण किया जा रहा हैं। जिससे क्षेत्रीय किसानों को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होना पड़ रहा हैं। ग्राम पंचायत सरपंच एवं क्षेत्रीय पटवारी की इस प्रकार की कार्य प्रणाली से क्षेत्रीय किसानों में खुशी देखी जा रही हैं।

जनपद पंचायत के अन्य ग्राम पंचायतों में भी ऐसी पहल होना आवश्यक जनपद पंचायत क्षेत्र के अन्य ग्राम पंचायतों में भी इस प्रकार की पहल किया जाना चाहिए। परन्तु अनेकों ग्राम पंचायतें तो ऐसी भी हैं। जोकि मंगलवार को खुलते ही नहीं हैं। जिस पर प्रशासन द्वारा किसी प्रकार के कार्यवाही न करने से आमजनों की समस्या बरकरार बनी हुई हैं। वहीं पर ग्राम पंचायत घेवरी के इस प्रक्रिया से फौती काटना, नामांतरण, पट्टा वितरण एवं खसरा खतौनी की नकल आदि मिलने से क्षेत्रीय किसान आनंद सिंह, मदी सिंह, दशन बाई, कुलपत सिंह, शंकर सिंह सहित अन्य कृषकों द्वारा खुशी जाहिर की गई हैं। ग्राम पंचायत की इस कार्य में पैसा एक्ट अध्यक्ष भगवत सिंह, ग्राम रोजगार सहायक, ग्राम पंचायत सचिव, उपसरपंच एवं पंचगणों का भी भरपूर सहयोग मिल रहा हैं।

बूथों मे खिलाई जा रही एमडीए की दवा

उमरिया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा व्ही एस चंदेल ने बताया कि सामूहिक दवा सेवा अभियान के सफल संचालन के लिए पाली मे एमडीए अभियान के तहत फायलेरिया दवा का सेवन कराया जा रहा है। अभियान के तहत बूथो पर दवा का सेवन कराया जा रहा है । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा व्ही एस चंदेल ने बताया कि 13 को मापअप राउण्ड बूथ पर छूटे हुए लोगों को दवा खिलाई जावेगी। 14 फरवरी से 20 फरवरी तक दल द्वारा घर-घर जाकर दवा का सेवन कराया जाएगा। 21 फरवरी से 24 फरवरी तक, मापअप राउन्ड के तहत छूटे हुए लोगों को दवा का सेवन कराया जाना है।

आज से हाई स्कूल की परीक्षा

उमरिया। जिला शिक्षा अधिकारी आर.एस.मरावी ने बताया कि हाई स्कूल की परीक्षाएं 13 फरवरी से प्रारंभ होगी जो 6 मार्च तक चलेगी। परीक्षा का समय प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि 13 फरवरी को उर्दू, 14 फरवरी को नेशनल स्किल्स क्वालीफिकेशन फ्रेम वर्क के समस्त विषय एवं आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, 17 फरवरी को अंग्रेजी, 19 फरवरी को संस्कृत, 20 फरवरी को मराठी, गुजराती, पंजाबी, सिंधी, मूक बधिर तथा दृष्टिहीन छात्रो के लिए , चित्रकला, गायन वादन, तबला पखावज, कम्प्यूटर, 24 फरवरी को गणित स्टैण्डर्ड, गणित बेसिक, 27 फरवरी को विज्ञान, 2 मार्च को सामाजिक विज्ञान, 6 मार्च को हिंदी की परीक्षा आयोजित होगी। उन्होंने कहा है कि समस्त परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर प्रातः 8 बजे तक उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा प्रारंभ होने के निर्धारित समय से 15 मिनट पूर्व के पश्चात किसी छात्र को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षाकाल में शासन द्वारा यदि कोई सार्वजनिक अथवा स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता है, तो भी परीक्षायें यथावत कार्यक्रमानुसार सम्पन्न होगी।

प्रशासन के समक्ष रखी अपनी मांग

अलग-अलग विभाग के कर्मचारियों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस जिला मुख्यालय में अलग - अलग विभाग के कर्मचारियों द्वारा ज्ञापन सौंपकर प्रशासन के समझ अपनी मांग रखी। वही कुछ विभाग के कर्मवारियों द्वारा हड़ताल भी की जा रही है। पहले ज्ञापन संयुक्त मोर्चा आउटसोर्स, अध्यापक, अंशकालीन एवं ग्राम पंचायत कर्मचारी संयुक्त मोर्चा, मध्यप्रदेश के बैनर तले जिले के आउटसोर्स कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम एक ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर देवंती परते को सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि जिले सहित प्रदेशभर में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारी लंबे समय से शासन के विभिन्न विभागों में निष्ठापूर्वक सेवाएं दे रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें अनेक गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिनका कई बार निवेदन करने के बावजूद अब तक समाधान नहीं किया गया है।

नियमितीकरण व वेतन वृद्धि की मांग

कर्मचारियों ने अपनी प्रमुख मांगों में समान कार्य के लिए समान वेतन एवं समान अधिकार लागू करने की मांग की है। इसके अतिरिक्त, आउटसोर्स कर्मचारियों का नियमितीकरण (स्थायीकरण) और समय पर पूर्ण वेतन भुगतान सुनिश्चित करने की भी मांग रखी गई है। अन्य मांगों में ईपीएफ एवं ईएसआई का नियमित और सही भुगतान, कार्य एवं अनुभव के आधार पर वेतन वृद्धि तथा नौकरी सुरक्षा प्रदान करना शामिल है। ज्ञापन में कर्मचारियों के साथ मनमानी छंटनी पर रोक लगाने का भी उल्लेख किया गया है। संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों ने बताया कि 12 तारीख को सभी आउटसोर्स कर्मचारी अपनी मांगों के समर्थन में कलेक्टर कार्यालय में एकत्रित होकर ज्ञापन देने पहुंचे थे। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी वैध मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्यवाही नहीं की गई, तो प्रदेशभर के आउटसोर्स कर्मचारी हड़ताल करने के लिए बाध्य होंगे। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान जिलाध्यक्ष आउटसोर्स कर्मचारी संघ नरसिंहपुर सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

रोजगार संरक्षण से वंचित कर रही सरकार

गुरूवार को सौंपे गए दूसरे ज्ञापन में आशा-ऊषा-आशा पर्यवेक्षक एकता यूनियन ने गुरुवार को राष्ट्रव्यापी आह्वान पर हड़ताल की। सभी लंबित मांगों पर विचार नहीं किए जाने से नाराज थीं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक के नाम दिए ज्ञापन में यूनियन ने केंद्र सरकार की श्रम संहिताओं को श्रमिक विरोधी बताया। कहा कि इन संहिताओं के माध्यम से श्रमिकों के अधिकारों व ट्रेड यूनियनों को कमजोर किया गया है। सामूहिक सौदेबाजी को सीमित कर हायर एंड फायर को वैध बनाया है। कार्य के घंटे बढ़ाए हैं। देशभर की ट्रेड यूनियनों द्वारा बार-बार ज्ञापन देने, आंदोलन के बावजूद सरकार ने न तो इन दमनकारी कानूनों को वापस लिया है, न ही श्रमिक वर्ग से कोई सार्थक संवाद किया है। इसके अलावा आशा-ऊषा कार्यकतरओं, आशा पर्यवेक्षकों को नियमित कर्मचारी के रूप में मान्यता देने समेत अन्य लंबित मांगों को पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने अपना ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को दिया।

मेडिकल एवं सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स हड़ताल पर

कलेक्टर के नाम सौंपे गए तीसरे ज्ञापन में मध्यप्रदेश मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स यूनियन ने बताया कि मध्य प्रदेश सहित देशभर में कार्यरत दवा विक्रय प्रचार कर्मचारी (मेडिकल एवं सेल्स रिप्रेजेंटेटिव) अपनी मांगों के समर्थन में आज एक दिवसीय अखिल भारतीय हड़ताल पर हैं। यह हड़ताल देशव्यापी महासंघ के आह्वान पर की गई है। पदाधिकारियों ने अवगत कराया कि उनकी मुख्य मांगें केंद्र सरकार से संबंधित हैं, विशेषकर श्रम एवं रोजगार मंत्रालय से जुड़े मुद्दे इनमें प्रमुख हैं। ज्ञापन के साथ फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन्स ऑफ इंडिया के महासचिव द्वारा 12 फरवरी 2026 को केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय को भेजे गए एक पूर्व ज्ञापन की प्रति भी संलग्न की गई है। यूनियन ने जिला कलेक्टर से अनुरोध किया है कि प्रदेश में कार्यरत सभी दवा विक्रय प्रचार कर्मचारियों की ओर से इस ज्ञापन को संबंधित मंत्रालय तक भेजा जाए, ताकि उनकी मांगों पर सकारात्मक विचार किया जा सके। इस दौरान यूनियन के कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

रात भर खेतों की झाड़ियों में छिपी रही बालिकाएं

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के गोटेगांव थाना क्षेत्र में 30 रुपये की डांट के डर से दो नाबालिग बहनें घर से भाग गईं। वे पूरी रात खेतों की झाड़ियों में छिपी रहीं। पुलिस ने तत्काल सर्च ऑपरेशन चलाकर दोनों बच्चियों को सुरक्षित ढूंढ निकाला। यह घटना मंडला जिले से मजदूरी करने आए एक परिवार से जुड़ी है। बुधवार शाम को दोनों नाबालिग बेटियों ने घर से 30 रुपये निकालकर कुरकुरे और बिस्किट खरीदे थे। उन्हें डर था कि माता-पिता को पैसों के बारे में पता चलने पर वे डांटेंगे, जिसके कारण वे घर से निकल गईं। बच्चियों के लगभग तीन घंटे तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने गोटेगांव पुलिस को सूचना दी। मामला नाबालिगों से जुड़ा होने के कारण पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल सर्च ऑपरेशन शुरू किया। पूरी रात चली तलाश के बाद गुरुवार सुबह पुलिस को दोनों बच्चियां गांव से लगे खेतों में कहुआ के पेड़ और रेमुनिया की झाड़ियों के बीच छिपी मिलीं। वे पूरी रात वहीं रुकी थीं। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर बच्चियों ने बताया कि वे माता-पिता की डांट और पिटाई के डर से घर नहीं लौटी थीं। पुलिस ने बच्चियों को समझाकर सुरक्षित उनके माता-पिता को सौंप दिया। परिजनों को भी बच्चों के साथ संयम और संवेदनशील व्यवहार रखने की सलाह दी गई।

सीईओ ने किया पशु चिकित्सा कार्यालय का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश ने ग्राम पंचायत नकटुआ स्थित उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं कार्यालय पहुंचकर यहां संचालित विभिन्न योजनाओं व गतिविधियों की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत ने गौशाला में ट्रेविस (शेड) लगवाने संबंधी विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही उन्होंने कार्यालय परिसर में स्थापित वैक्सीन कोल्ड रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वैक्सीन भंडारण की व्यवस्था, तापमान नियंत्रण प्रणाली एवं रख-रखाव की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत ने संबंधित अधिकारियों को शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

रेत का अवैध परिवहन करने पर एक ट्रैक्टर-ट्राली जप्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में खनिज विभाग, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग का संयुक्त दल द्वारा जिले में निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में तहसील गाडरवारा स्थित एनटीपीसी के पास खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए पाए जाने पर एक ट्रेक्टर-ट्राली वाहन क्रमांक एमपी 49 जेडसी 7905 को जप्त कर डोंगरगांव थाना में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया।

चावरा विद्यापीठ में आयोजित हुआ विशेष कृषि जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। चावरा विद्यापीठ नरसिंहपुर में कृषि विभाग द्वारा कृषि जागरूकता सत्र का आयोजन बुधवार को किया गया। इस दौरान आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर उप संचालक कृषि मोरिस नाथ, प्रधानाचार्य फादर वर्गीस, शिक्षक, विद्यार्थियों के अभिभावक व विद्यार्थी मौजूद थे। उप संचालक कृषि मोरिस नाथ ने टेरेस गार्डनिंग, किचन गार्डनिंग, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, ई-विकास प्रणाली अंतर्गत उर्वरक वितरण, जैविकध् प्राकृतिक हाट बाजार, फसल अवशेष प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, ष्धरती माता बचाओ अभियानष, उन्नत बीज एवं आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने टेरेस गार्डनिंग पर विशेष जोर देते हुए बताया कि शहरी क्षेत्रों में स्थान की कमी के कारण अपने घरों की छत पर सब्जियां, फल, जड़ी- बूटियां एवं फूल उगाना प्रभावी समाधान है। इससे ताजी एवं रसायन मुक्त सब्जियां- फल प्राप्त होते हैं। साथ ही घर का तापमान संतुलित और पर्यावरण भी शुद्ध होता है। उन्होंने बताया कि 3 से 4 माह में टेरेस गार्डनिंग के माध्यम से घर पर ही ताजी सब्जियां उगाई जा सकती हैं, जिससे स्वास्थ्य लाभ एवं आर्थिक बचत दोनों संभव हैं। उप संचालक कृषि ने बताया कि कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के मार्गदर्शन में जिला पंचायत नरसिंहपुर के परिसर में प्रति सोमवार एवं गुरुवार को संचालित जैविक प्राकृतिक हाट बाजार की जानकारी दी। कार्यक्रम में फसल अवशेष जलाने से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया तथा नरवाई प्रबंधन हेतु बेलर, सुपरसीडर एवं हैप्पीसीडर जैसे उन्नत कृषि यंत्रों की उपयोगिता समझाई गई। किसानों की सुविधा के लिए ई-विकास प्रणाली के अंतर्गत उर्वरक टोकन व्यवस्था एवं संतुलित उर्वरक उपयोग पर भी मार्गदर्शन दिया गया। धरती माता बचाओ अभियान के अंतर्गत जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु सभी को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आर्गेनिक टेरेस गार्डनिंग एवं किचन गार्डनिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। साथ ही बीज पैकेट, ग्रो बैग एवं विभिन्न गार्डनिंग उपकरण (खुरपी, फावड़ा, स्प्रेयर, पानी का कैन आदि) वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रधानाचार्य फादर वर्गीस ने कहा कि यह पहल कृषि शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य संवर्धन एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

छात्राओं द्वारा महा विद्या तांडव देवी नृत्य की शानदार प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्वदेशी का अर्थ केवल देश में बना सामान ही नहीं बल्कि देश के प्रति अपना विश्वास और योगदान भी है। जब हम भारत में निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देते हैं तो हम केवल खरीदी ही नहीं करते बल्कि अपनी अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हैं, अपने कारीगरों एवं उद्यमियों का प्रोत्साहन करते हैं और आत्मनिर्भर भारत के मार्ग को मजबूत करते हैं। इसी उद्देश्य को सार्थक करते हुए नरसिंहपुर नगर में भी 10 दिवसीय स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रतिदिन शाम को रंगमंचीय कार्यक्रम संपन्न हो रहे हैं। इसी श्रृंखला में गत दिवस चाणक्य हायर सेकेंडरी स्कूल नरसिंहपुर की छात्राओं रिचा राजपूत, तुलसी चैधरी, श्रेया चैधरी, श्रुति चैधरी, हर्षिता काछी, साक्षी खरे,आलिया, अनुष्का सेन, वैशाली चैकसे, एंजेल एवं अंजलि साहू द्वारा महाविद्या तांडव देवी एक्ट की बड़े ही मनमोहक ढंग से प्रस्तुति दी गई। छात्राओं द्वारा देवी एक्ट का इतने सुंदर ढंग से जीवंत चित्रण किया गया कि दर्शक दीर्घा में उपस्थित सभी दर्शकों के रोंगटे खड़े हो गए। मातृशक्ति के आधुनिक परिकल्पित अवतारों में गृहणी, खिलाड़ी, शिक्षिका, इंजीनियर, चिकित्सक मजिस्ट्रेट, पुलिस, फौजी सहित साक्षात भारत माता रूपी काली अवतार के परिदृश्य की छात्राओं द्वारा जीवंत प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम की मेला समिति एवं उपस्थित जन समुदाय द्वारा खूब सराहना की गई। इस कार्यक्रम को कुमारी अंशिता राजपूत द्वारा तैयार किया गया था।

ट्रैक्टर चालक के साथ मारपीट, पुलिस जांच में जुटी

गोटेगांव। अंतर्गत विगत दिवस ग्राम गर्रा के पास नहर किनारे बेलखेड़ी निवासी लक्ष्मन लोधी के साथ चार लोगों द्वारा ट्रैक्टर रोककर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में लक्ष्मन लोधी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए गोटेगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्ष्मन लोधी रात के समय ट्रैक्टर से जा रहे थे। इसी दौरान गर्रा गांव के पास नहर के नजदीक चार लोगों ने उनका ट्रैक्टर रुकवाया और विवाद करते हुए उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। अचानक हुए हमले में वह गंभीर रूप से घायल होकर वहीं गिर पड़े। घटना के कुछ समय बाद रास्ते से गुजर रहे एक ग्रामीण की नजर घायल अवस्था में पड़े लक्ष्मन लोधी पर पड़ी। ग्रामीण ने तत्काल उनके परिचितों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें तत्काल इलाज के लिए गोटेगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए, जहां उनका उपचार जारी है। घटना की सूचना गोटेगांव पुलिस को भी दे दी गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर प्रारंभिक जांच प्रारंभ कर दी है तथा मारपीट करने वाले आरोपियों की तलाश की जा रही है। घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

कबाड़ माफिया के हौसले बुलंद, अवैध कारोबार में झोंके जा रहे मासूम, नौनिहालों का भविष्य हो रहा बर्बाद

गोटेगांव। तहसील क्षेत्र में इन दिनों कबाड़ माफियाओं का आतंक चरम पर है। स्थानीय प्रशासन की कथित अनदेखी के चलते क्षेत्र में लाखों रुपये का अवैध कबाड़ कारोबार धड़ल्ले से फल-फूल रहा है। आलम यह है कि हर दूसरे दिन रातों-रात कबाड़ से भरे बड़े-बड़े ट्रक जबलपुर और भोपाल जैसे शहरों की ओर भेजे जा रहे हैं, जिन पर लगाम कसने वाला कोई नहीं है।

मासूम नौनिहालों का भविष्य हो रहा कबाड़

इस गोरखधंधे का सबसे काला पक्ष यह है कि कबाड़ कारोबारी चंद पैसों के लालच में मासूम नाबालिग बच्चों को इस दलदल में झोंक रहे हैं। गरीबी का फायदा उठाकर इन बच्चों से कबाड़ चुनने और उसे एकत्रित करने का काम कराया जा रहा है। शासन की सर्व शिक्षा अभियान जैसी योजनाएं इन बच्चों के लिए बेमानी साबित हो रही हैं। पढ़ाई-लिखाई छोड़कर ये बच्चे कबाड़ के काम में लग रहे हैं, जिससे वे कम उम्र में ही नशे और चोरी जैसी गंदी आदतों का शिकार होकर अपना भविष्य बर्बाद कर रहे हैं।

चोरी के वाहनों और रेलवे सामग्री को खपाने का अड्डा

सूत्रों की मानें तो इन कबाड़खानों में बिना किसी सत्यापन के साइकिल, मोटरसाइकिल और चार पहिया वाहनों की खरीद-फरोख्त की जा रही है। चोरी के वाहनों के कलपुर्जे अलग-अलग कर उन्हें कबाड़ के भाव बेच दिया जाता है। इतना ही नहीं, कबाड़ियों द्वारा रेलवे के लोहे, तांबा और पीतल जैसी कीमती धातुओं को भी दलालों के माध्यम से खपाया जा रहा है। बिना किसी लाइसेंस या अनुमति के चल रहे ये दर्जनों कबाड़ केंद्र अनैतिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं।

ठोस कार्यवाही की मांग

क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं और बच्चों के बिगड़ते भविष्य को देखते हुए स्थानीय नागरिकों में भारी रोष है। आमजन ने पुलिस और जिला प्रशासन से मांग की है कि इन अवैध कबाड़खानों पर तत्काल नकेल कसी जाए और क्षेत्र में चल रहे इस संगठित अपराध पर अंकुश लगाया जाए।

नगर में उत्साह के साथ निकली श्री सत्य साईं पावन रथ यात्रा, उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

गोटेगांव। नगर में बीते दिवस श्री सत्य साईं सेवा समिति द्वारा भव्य धार्मिक रैली का आयोजन किया गया। ढोल-नगाड़ों की थाप और जयकारों के साथ यह पावन रथ यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। यात्रा का वैभव और श्रद्धा देख नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर रथ यात्रा का आत्मीय स्वागत किया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में साईं भक्त शामिल हुए, जिससे पूरा मार्ग भक्तिमय हो गया। आयोजित श्री सत्य साईं की पावन रथ यात्रा में मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन के सचिव इंजी. सरदार सिंह पटेल विशेष रूप से सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि रथ यात्रा में क्षेत्रवासियों का उत्साह, गहरी आस्था और अनुशासन अत्यंत प्रेरणादायक है। श्री सत्य साईं का प्रेम, सेवा और मानवता का संदेश हम सभी को समाज हित में निरंतर निस्वार्थ कार्य करने की ऊर्जा प्रदान करता है। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने साईं भजनों पर थिरकते हुए भक्ति भाव प्रकट किया। इस अवसर पर समिति के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और श्रद्धालु उपस्थित रहे।